19

क्या आप हवा को देख सकते हैं?

'क्या आप हवा को देख सकते हैं?' यह सवाल काफी अटपटा हो सकता है और अक्सर आप 'ना' में इसका उत्तर दे सवाल से फारिग होने की कोशिश करते हैं। लेकिन क्या यह सही है? क्या इस पर आपने कुछ पल रुक गम्भीरता से सोचा है? और क्या सच में आपने कभी इसकी पड़ताल की है?

हवा उतनी अदृश्य नहीं जितनी आप समझते हैं। डॉ. सी.वी. रमन को भी यह सवाल परेशान करता होगा। उनके द्वारा प्रेरित एक प्रयोग है जिसे किसी भी प्रयोगशाला में थोड़ा सावधानीपूर्वक किया जा सकता है। पर सवाल उठता है कि क्या हम इस प्रयोग में हवा (गैसों) को देख पा रहे हैं या फिर उसमें मौजूद धुएँ व धूल के कणों को?

मनुष्य और नागरिक के अधिकारों का घोषणापत्र

दुनिया में मानवीय विकास का एक दौर ऐसा भी था जब आम इन्सान को न तो कोई अधिकार थे और न ही मनचाहा कार्य करने की स्वतंत्रता। आधुनिक विश्व में इसकी पहली सशक्त और लिखित झलक 1789 में फ्रांस के 'मनुष्य और नागरिक अधिकारों का घोषणा पत्र' में मिलती है जो फ्रांसीसी क्रान्ति का सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज़ बना। इस दस्तावेज़ के पीछे था शासकों के प्रति आमजन का विद्रोह और युरोप के पुनर्जागरण का बौद्धिक असर। यह घोषणापत्र विश्व भर के लिए आदर्श बना। भारतीय संविधान में उल्लेखित मौलिक अधिकारों में कई सारे विधान इसी घोषणा पत्र से आए हैं।

48

शैक्षणिक संदर्भ

अंक-15 (मूल अंक-72), नवम्बर-दिसम्बर 2010

इस अंक में

4 | **आपने लिखा**

7 | **बनते-सँवरते विचारों के वैज्ञानिक...**
सुशील जोशी

14 | **जीवन का ताना-बाना...**
प्रमोद मैथिल

19 | **क्या आप हवा को देख सकते हैं?**
अंदल नारायणन, जोसेफ सेम्यूल, सुपूर्णा सिन्हा

25 | **प्राथमिक कक्षाएँ एवं संवाद**
जितेन्द्र कुमार

34 | **मार्टिन गार्डनर की तीन पहेलियाँ**
संकलित

35 | **अनन्त संख्याओं की गिनती कैसे करें?**
जॉर्ज गैमो

48 | **मनुष्य और नागरिक के अधिकारों...**
सी.एन. सुब्रह्मण्यम्

55 | **बच्चों को बताना बन्द करें**
कमलेश चन्द्र जोशी

61 | **डिफरेंट टेल्स**
शोभा सिन्हा

76 | **अनारको सपनों के अस्पताल में**
सत्यु

83 | **इंडेक्स अंक 67-72**

90 | **शहद की खोज आपसी सहयोग से**
डी.एन. मिश्रराज